आई माता ए मारी जोगमाया,
आई माता ऐ मारी जोगमाया,
थारे लुल लुल लागू पाव,
मारी जोगमाया।।

बिलाडे बनीयो ए माता देवरो,
घणो सुवानो थारो सेवरो,
थारी ध्वजा फरूके असमान,
मारी आई माता,
आई माता ऐ मारी जोगमाया।।

अरे घणा घणा आवे थारे जातरी,
नित-नित करे थारी आरती,
थारे केसर पडे रे अपार,
मारी आई माता,
आई माता ऐ मारी जोगमाया।।

अरे फूल चढावु थारे नवलखीयो,
हाथ जोड थाने अरज करू,
थारे रेवु शरणो रे माय,
मारी जोगमाया,
आई माता ऐ मारी जोगमाया।।

अरे बिलाड़ा नगरी में परचो जोर रो,
सूरज निकले है माता घोर रो,
जटे भक्त मंडल जश गाय,
मारी आई माता,
आई माता ऐ मारी जोगमाया।।

आई माता ए मारी जोगमाया,
आई माता ऐ मारी जोगमाया,
थारे लुल लुल लागू पाव,
मारी जोगमाया।।

प्रेषक मनीष सीरवी
9640557818

Source: https://www.bharattemples.com/aai-mata-ae-mari-jogmaya/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw